IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 3, Issue 2, January 2023
Impact Factor: 7.301

शिक्षा में राजनीतिक विज्ञान की प्रासंगिकता

कुंवर प्रताप सिंह[1] एवं डॉ. संध्या शुक्ला[2]
शोधार्थी, शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)[1]
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)[2]

सारांशः राजनीति विज्ञान का महत्व शिक्षार्थी का सर्वांगीण विकास है। मानव ने इस सृष्टि पर जीवन कैसे बनाया, उसका भौतिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, शास्त्रीय, आर्थिक वातावरण क्या था, इसकी शिक्षा शिक्षार्थी को देना आवश्यक है क्योंकि तभी उन्हें अपने अस्तित्व की प्राप्ति होगी। शिक्षा के साथ–साथ उचित अभिज्ञों का विकास भी आवश्यक है। उचित अभिज्ञाताएँ अच्छे व्यवहार का आधार है शिक्षार्थीयों का व्यवहार इन सीमित अभिवृत्तियों पर समाप्त होता है। संबद्ध अभिज्ञाताएं विश्वसनीय और आलस के आधार पर निर्मित होती है। जबकि बौद्धिक अभिज्ञापन तथ्यों का अधिक महत्व होता है। राजनीति विज्ञान के शिक्षा विकास करे उनके अंदर कुछ सामाजिक गुण जैसे– आत्मसंयम, धैर्य सहानुभूति तथा आत्मसम्मान एवं शिक्षा को विकसित करें।

मुख्यशब्दः राजनीतिक विज्ञान, प्रासंगिकता, सामाजिक संस्थायें, सर्वांगीण, शिक्षार्थी, वातावरण, विश्वसनीयता, चिंतन, संबद्धता, समाज विकास आदि।

प्रस्तावनाः

स्कूली बच्चों को अच्छा नागरिक बनाना चाहते हैं तो उन्हें शिक्षा प्रदान करना आवश्यक है। शिक्षा स्पष्ट चिंतन और उचित निर्णय के लिए आवश्यक है प्रजातंत्र की सफलता के लिए नागरिकों में गुणों को विकसित करने की आवश्यकता है। औद्योगिक क्रांति के कारण सामाजिक संस्थाओं पर भी प्रभाव पड़ा है। नगरों में कई व्यवसाय जुड़ गए हैं, गांव में सीमित भूमि होने से और जनसंख्या की तेजी से बढ़ने के कारण लोगों ने गांवों को छोड़कर नगरों में रहना पंसद करने लगे। इससे नगरों में भी आवास की समस्या हो गयी है। तनाव बढ़ रहा है, इसलिए राजनीति विज्ञान में उच्चतर शिक्षा की शिक्षा का महत्व बढ़ गया है। मानव समाज की जटिलताएं जुड़ी हुई है। इसमें पूर्वाग्रह, विश्वास, द्वेष क्षमता की भावना के कारण संघर्ष सृष्टि के मानकों पर चलते हैं इसलिए शिक्षार्थी को यह जानकारी प्रदान की आवश्यकता होती है कि वे किस माहौल में रहते हैं वे अस्तित्व में कैसे आएं। व्यक्ति एवं समाज एक–दूसरे को किस सीमा तक प्रभावित करते हैं। संसार की अन्य संबद्धता का विकास कैसे हुआ है और समय के साथ हुई आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सामाजिक संस्थाएं विकसित हुई है शिक्षा का भी विकास हुआ है। राजनीति विज्ञान शिक्षण का विशिष्ट मानव समाज की व्याख्या करना मानव ने इस सृष्टि पर जीवन कैसे बनाया आदि मानव से आज के मानव में जो

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 3, Issue 2, January 2023
Impact Factor: 7.301

परिवर्तन आयें, उनका रहना सहनशील, खान, पान, भाषा, व्यवहार सभ्यता एवं संस्कृति में आये बदलाव की कहानी कितनी पुरानी है। मानव व्यवहार को इस आधुनिक रूप से जानकारी के आवश्यकता है क्योंकि यही जानकारी उन्हें वसुधैन कुटुम्बकम के सिद्धांतों से प्रभावित करती है। जिसमें मानव का युद्ध के विनाश से बचा जा सकता है राजनीति विज्ञान से विद्यार्थी तथ्य संग्रह, शिक्षा जानना सीख रहे हैं। सार्थक रूप से लिखना, पढ़ना सीख रहे हैं।

समूह तथा समुदाय के प्रति उत्तरदायित्व सीखते हैं इस प्रकार अनेक सामाजिक गुण, शिक्षा व विकास राजनीति विज्ञान द्वारा सीखे जा रहे हैं।

शोध का उद्देश्यः

1. राजनीति विज्ञान में शिक्षा को जानना,
2. शिक्षा में सामाजिक और राजनीति परिवर्तनों को जानना,
3. शिक्षा में राजनीति विज्ञान की सक्रियता को जानना,
4. सामाजिक, आर्थिक में शिक्षा के प्रभावों को जानना,
5. शिक्षा के उद्देश्य को जानना।

राजनीति विज्ञान विद्यार्थी के सामने कई ठोस तथ्यों को प्रस्तुत करते हैं इन तथ्यों से प्रेरित होकर विद्यार्थी उन तथ्यों के संबंध में चिंतन और मनन करते हैं। जिससे उनकी चिंतन बढ़ती जाती है जो उनके आगे चलकर ये जीवन से जुड़ी हर समस्या पर सोच विचार एवं चिंतन करके उसका समाधान करने की कोशिश करते हैं।

वैज्ञानिक और तकनीकी विकास के कारण आधुनिक युग शिक्षा एक कुटुम्ब के रूप विकसित हो रहा है। वर्तमान समय में कोई भी देश दूसरे देशों से अलग नहीं रह सकता है। सभी देश किसी न किसी रूप में एक–दूसरे पर स्थायी है इसके साथ–साथ सभी देशों पर तीसरा विश्वयुद्ध की तलवार भी लटक रही है सभी ईश्वरवादी विचार और वैज्ञानिक बार–बार इस बात पर बल दे रहे हैं कि विश्वयुद्ध से बचने के लिये विद्यार्थियों में अंतर्राष्ट्रीय विवेक, शिक्षा जागृत करना अत्यंत आवश्यक है। राजनीति विज्ञान इस महत्व के लिये महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान करता है।

निष्कर्षः

सामाजिक एवं भौतिक वातावरण का शिक्षा भी राजनीति विज्ञान द्वारा मिलता है। व्यक्तित्व के प्रत्यक्ष विकास के लिए वातावरण एवं शिक्षा आवश्यक है उसके चारों ओर के माहौल के मामले शामिल और सुधार करते हैं, जिससे वह अधिक उत्तम बन सके और शिक्षा होने पर ही विद्यार्थी अपने आप में रहने वाले समाज के अनुकूल सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक शिक्षा समायोजित करके सक्रिय नागरिक बन सकते हैं।

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 3, Issue 2, January 2023
Impact Factor: 7.301

शिक्षा का आधार वर्तमान समय में वैज्ञानिक तकनीक और उद्देश्यों से बढ़ाया जा सकता है और गांवों में ज्यादा से ज्यादा शिक्षा अध्ययन करवाना ताकि एक भी अशिक्षित व्यक्ति न बचे और गांवों में शिक्षा का विकास होगा और जब एक, एक व्यक्ति ग्रामीणों में शिक्षा में पूर्ण हो जायेंगे तो पूरे जिला, राज्य और पूरा भारत शिक्षित हो जायेगा और वर्तमान समय जो भारत विकासशील 50 वर्षों से हम कहते आयें है कि भारत एक विकासशील देश है वह बदलकर विकसित देश हो जायेगा और हमारे पास तकनीक आ जायेगा और शिक्षा से हर क्षेत्र में विकास हो जायेगा।

सुझावः

1. शिक्षा के स्तर में सुधार की आवश्यकता जिससे शिक्षा में विकास हो,
2. शिक्षा में तकनीकी आवश्यकता ताकि शिक्षा को सरल शब्दों में सीखा जाये,
3. शिक्षा के साथ राजनीति विज्ञान, आर्थिक, सामाजिक, संस्कृति का विकास हो,
4. शिक्षा को खेल विधि से भी शामिल करना चाहिए ताकि मस्तिष्क का विकास हो।
5. शिक्षा को अधिक से अधिक ग्रामीणों में प्रचलित करना चाहिए ताकि भारत के अधिक से अधिक ग्रामीण शिक्षित हो।

संदर्भ ग्रंथ सूचीः

[1]. https://digicgvision.in/Rajiti-vigyan-kemahatava

[2]. Arora Pankaj (2014) Exploring the science of society, Journal of Indian education NCERT New Delhi.

[3]. योगेन्द्र कुमार शमा, कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली 110002

[4]. कमल देव वर्मा 4831/24 प्रहाद लेन अंसारी रोड दिल्ली 110002

[5]. प्रो. भास्कर मिश्र 2014 अदनायक शिक्षा में उदीयमान प्रवृत्तियाँ प्रकाशक श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संसकृत

[6]. डॉ. ब्रह्मदेव शर्मा चतुर्थ आवृत्ति–1994 प्रकाशक, मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी रवीन्द्रनाथ ठाकुर मार्ग भोपाल 462003